भारतीय टीम एक बार फिर सेटी20 की विश्व चैंपियन बन गई है।

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

जूनियर एनटीआर के कार्यक्रम में बेकाबू हुई भीड़

Page-05

लोकसभा में विदेश नीति और वित्तीय प्रस्ताव पर चर्चा

पश्चिम एशिया और बजट सत्र के मुद्दे प्रमुख

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

रविवार शाम को जारी लोकसभा की संशोधित कार्यसूची के अनुसार, 9 मार्च को विदेश मंत्री एस. जयशंकर लोकसभा में 'पश्चिम एशिया की स्थिति' पर बयान देंगे। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में एसआईआर के चलते करीब 60 लाख नाम हटाए जाने का मामला संसदीय कार्यवाही को प्रभावित कर सकता है।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए शुल्क के खिलाफ निर्णय के बाद, विपक्ष भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सवाल उठाने की संभावना जता सकता है।बजट सत्र के दूसरे चरण में वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न मंत्रालयों के अनुदान की मांग और वित्त विधेयक 2026 पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें 1 फरवरी को केंद्रीय बजट में प्रस्तुत सभी कर प्रस्ताव शामिल होंगे।संसद के दोनों सदन पांच-पांच मंत्रालयों के कामकाज और अनुदान संबंधी मांगों पर भी चर्चा करेंगे, जिससे वित्तीय एवं नीति दोनों ही मोर्चों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है।

बंगाल को टारगेट किया जा रहा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को हुए राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर कहा कि इसमें किसी प्रकार का प्रोटोकॉल उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में हुई किसी भी मिसमैनेजमेंट की जिम्मेदारी प्राइवेट आयोजकों और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की है।ममता बनर्जी ने कहा, "हम राष्ट्रपति की कुर्सी और भारत के संविधान का पूरा सम्मान करते हैं। इसे हम अपनी मां मानते हैं। इस मामले में हमें दोष न दें।"उन्होंने यह भी जोर दिया कि राज्य सरकार ने पूरे कार्यक्रम के दौरान सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं हुई। पीएम मोदी ने कहा था कि राज्य के समझदार लोग एक आदिवासी महिला नेता और देश के राष्ट्रपति का अपमान करने के लिए पार्टी को कभी माफ नहीं करेंगे. देश और नारी शक्ति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस अपमान के लिए माफ नहीं करेंगी.

पूरे देश में क्रिकेट का उत्सव भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीता

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप 2026 में शानदार जीत के बाद पूरे देश में उत्सव का माहौल बन गया। रात करीब 11 बजे से ही लोग सड़कें पर उतर आए और भारत की जीत का जश्न मनाने लगे। हर तरफ आतिशबाजी और बैंड-बाजा सुनाई देने लगा।क्रिकेट प्रेमियों ने अपने-अपने तरीके से उत्सव मनाया। कोई अपने पसंदीदा खिलाड़ी के बेहतरीन प्रदर्शन पर झूम रहा था, तो कोई टीम की शानदार और निर्णायक जीत का आनंद ले रहा था। शहर और कस्बों में लोग हाथों में तिरंगा लेकर जुलूस निकालते नजर आए। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगीं और देशभक्ति के नारे गूंजते रहे। सोशल मीडिया पर भी जश्न की झलकियां वायरल हो रही हैं, जिसमें लोग अपने उत्साह और खुशी साझा कर रहे हैं। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों को गौरवान्वित किया, बल्कि देशवासियों में क्रिकेट के प्रति प्रेम और जोश को भी बढ़ा दिया।

टीम इंडिया बनी
टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 96 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया, जहां हजारों क्रिकेट प्रशंसकों की मौजूदगी में टीम इंडिया ने नया इतिहास रच दिया।इस जीत के साथ भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाली पहली टीम बन गया है। साथ ही यह भी पहली बार हुआ है कि मेजबान देश ने अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता हो। इससे पहले किसी भी मेजबान टीम को यह उपलब्धि हासिल नहीं हुई थी। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। निर्धारित 20 ओवर में भारत ने पांच विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा और बड़े-बड़े शॉट लगाकर रन गति को तेज बनाए रखा।256 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट झटके। परिणामस्वरूप पूरी कीवी टीम 19 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई।96 रनों से मिली यह जीत टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल बन गया और क्रिकेट प्रशंसकों ने भारतीय टीम की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की।

मिडिल ईस्ट में CBSE की 12वीं की परीक्षाएं स्थगित, 10वीं की रद्द

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने मिडिल ईस्ट के कई देशों में चल रहे तनावपूर्ण हालात को देखते हुए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। बोर्ड ने 12वीं कक्षा की 9, 10 और 11 मार्च 2026 को होने वाली परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है।बोर्ड के अनुसार क्षेत्र में जारी युद्ध और सुरक्षा स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। सीबीएसई ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए परीक्षा की नई तिथियां बाद में घोषित की जाएंगी।यह फैसला मिडिल ईस्ट के कई देशों में स्थित सीबीएसई स्कूलों पर लागू होगा। इनमें बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।इसके अलावा 7 से 11 मार्च 2026 के बीच होने वाली 10वीं कक्षा की परीक्षाएं पूरी तरह से रद्द कर दी गई हैं। बोर्ड ने यह भी बताया कि 10 मार्च 2026 को स्थिति की समीक्षा की जाएगी, जिसके बाद 12 मार्च या उसके बाद होने वाली परीक्षाओं को लेकर नया निर्णय लिया जाएगा।सीबीएसई ने छात्रों को सलाह दी है कि वे परीक्षा से जुड़ी ताजा जानकारी के लिए अपने स्कूलों के संपर्क में बने रहें।

ईरान के राष्ट्रपति का सख्त संदेश
देश की एक इंच जमीन नहीं छोड़ेंगे

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

इजरायल और अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के बीच मसूद पेजेश्कियन ने कड़ा संदेश दिया है। ईरान के राष्ट्रपति ने बिना नाम लिए डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका देश अपनी जमीन का एक इंच भी किसी को नहीं लेने देगा।प्रेस टीवी को दिए एक साक्षात्कार में पेजेश्कियन ने कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हर स्थिति का सामना करने को तैयार है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चाहे कितनी भी चुनौतियां क्यों न आएं, ईरान अपनी सीमा और अधिकारों की रक्षा करेगा।राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उनका कहना था कि देश की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए हर जरूरी कदम उठाया जाएगा।पेजेश्कियन का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इज़रायल के साथ तनाव बढ़ गया है। हाल के दिनों में ईरान के कई सैन्य ठिकानों और रणनीतिक स्थानों पर हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। इन हमलों में तेहरान की सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाए जाने की बात कही जा रही है।इस बढ़ते तनाव के बीच ईरान की ओर से दिया गया यह बयान क्षेत्र में जारी संघर्ष को और गंभीर बनाने वाला माना जा रहा है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोई देश ईरान की सीमाओं पर अतिक्रमण करेगा तो उसे कड़ा जवाब मिलेगा। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान करे।

आवश्यकता

Tv भारतवर्ष ग्रुप

को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में e रिपोर्टर की। और पॉडकास्ट हेतु टैलेंटेड युवक ,और युवतियों की जो डिजिटल मीडिया में अपना भविष्य और पहचान बनाना चाहते है ।

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी सीवी 8601780000 व्हाट्सप्प के माध्यम से भेंजे

चीन ने बढ़ाया दोस्ती का हाथ
भारत विरोधी नहीं बल्कि अहम साझेदार

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत और चीन को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार के रूप में देखने की बात कही। बीजिंग में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने सीमा पर शांति, सहयोग बढ़ाने और ब्रिक्स जैसे वैश्विक मंचों पर मिलकर काम करने पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और बदलती वैश्विक राजनीति के बीच चीन की ओर से भारत को लेकर एक अहम कूटनीतिक संदेश सामने आया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि चीन और भारत को एक-दूसरे को दुश्मन या प्रतिद्वंद्वी की तरह नहीं देखना चाहिए, बल्कि साझेदार और अवसर के रूप में देखना चाहिए।बीजिंग में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वांग यी ने यह बयान दिया। उनका यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिमी एशिया में संघर्ष लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे माहौल में चीन का भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।यह बयान बीजिंग में चल रहे नेशनल पीपल्स कांग्रेस ऑफ चाइना का 14वां सत्र के दौरान दिया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब एक भारतीय पत्रकार ने चीन-भारत संबंधों को लेकर सवाल किया, तो वांग यी ने कहा कि दोनों देश केवल पड़ोसी ही नहीं हैं, बल्कि ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य भी हैं।उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध रहे हैं और दोनों देशों के कई हित साझा हैं। वांग यी के अनुसार यदि दोनों देश मिलकर आगे बढ़ते हैं तो इसका लाभ केवल एशिया को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि आपसी विश्वास और सहयोग के माध्यम से साझा विकास संभव है, जबकि टकराव और विभाजन एशिया के पुनरुत्थान के लिए उचित नहीं होगा।चीन के विदेश मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध धीरे-धीरे सामान्य होते दिखाई दे रहे हैं और अब सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात का भी उल्लेख किया। वांग यी ने कहा कि उस मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर संवाद बढ़ा है और व्यापार भी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है।अपने बयान में वांग यी ने भारत और चीन के संबंधों को मजबूत करने के लिए चार महत्वपूर्ण बिंदुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले दोनों देशों को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार के रूप में देखना चाहिए। दूसरा, सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है। तीसरा, विकास को साझा आधार बनाकर व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। चौथा, दोनों देशों को वैश्विक मंचों पर मिलकर काम करना चाहिए।वांग यी ने अपने संबोधन में ब्रिक्स संगठन का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास होगी, जबकि अगले वर्ष चीन इसकी अध्यक्षता करेगा। ऐसे में दोनों देशों को एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए, ताकि ग्लोबल साउथ के देशों को नई उम्मीद और दिशा मिल सके।विशेषज्ञों का मानना है

अमेरिका-ईरान टकराव में बढ़ती वैश्विक दिलचस्पी चीन और रूस की भूमिका पर उठे सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव अब केवल दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संघर्ष धीरे-धीरे व्यापक अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिखाई दे रहा है। हाल में सामने आई खुफिया जानकारी से संकेत मिल रहे हैं कि कुछ प्रमुख वैश्विक शक्तियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ईरान के साथ खड़ी नजर आ सकती हैं।एक अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि चीन ईरान को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ मिसाइल से जुड़े महत्वपूर्ण पुर्जे और अन्य सैन्य सामग्री उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट में यह जानकारी तीन ऐसे सूत्रों के हवाले से दी गई है जो इस मामले से परिचित बताए जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि यदि ऐसा होता है तो इससे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और जटिल हो सकता है। हालांकि इस मामले में चीन की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार चीन फिलहाल इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने से बचने की कोशिश कर रहा है।इसी बीच यह भी दावा किया गया है कि रूस कथित तौर पर ईरान को पश्चिम एशिया क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों, युद्धपोतों और सैन्य विमानों की वास्तविक समय की खुफिया जानकारी उपलब्ध करा रहा है। माना जा रहा है कि इस प्रकार की सूचनाएं ईरान को अमेरिकी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित हमलों की योजना बनाने में मदद कर सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी बढ़ती है तो यह संघर्ष और अधिक गंभीर रूप ले सकता है। इससे न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा, बल्कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक संतुलन पर भी प्रभाव पड़ सकता है।हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन फिलहाल बेहद सावधानी बरत रहा है।

ईरान ने ताजा हमलों में UAE पर दागीं 16 बैलिस्टिक मिसाइलें और 117 ड्रोन

पीएम मोदी ने ₹18,300 करोड़ की दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं का किया उद्घाटन

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

उन्होंने भरोसा जताया कि इन नई परियोजनाओं से न केवल दिल्ली के लोगों की यात्रा आसान होगी, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में कमी आएगी तथा दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 18,300 करोड़ रुपये की लागत वाली दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन

और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की दो नई कॉरिडोर परियोजनाओं का उद्घाटन किया।इनमें पिंक लाइन का मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर शामिल है, जिसकी लंबाई लगभग 12.3 किलोमीटर है। इसके अलावा मैजेंटा लाइन का दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक लगभग 9.9 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर भी शुरू किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए दिल्ली के विकास और बुनियादी ढांचे को लेकर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले दिल्ली जिस बड़ी समस्या से मुक्त हुई, वह शहर के विकास के लिए बहुत जरूरी था।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अगर उस समय दिल्ली में आपदा जैसी स्थिति वाली सरकार नहीं होती, तो दिल्ली मेट्रो का फेज-4 प्रोजेक्ट काफी पहले पूरा हो सकता था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राजधानी में आधुनिक और बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है।

नेपाल चुनाव में बालेंद्र 'बालेन' शाह की बड़ी जीत केपी शर्मा ओली को हराया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जंजीर प्रोटेस्ट के प्रमुख चेहरे माने जाने वाले बालेंद्र शाह, जिन्हें आम तौर पर बालेन शाह के नाम से जाना जाता है, ने चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। झापा-5 सीट से चुनाव लड़ते हुए उन्होंने केपी शर्मा ओली को हराकर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा शुरू कर दी है। इस सीट पर बालेन शाह को 68,348 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को 49,614 वोट मिले। इस तरह बालेन शाह ने करीब 49,614 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेपाल की जनता और सरकार को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि नेपाल में चुनाव का सफल आयोजन लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है और भारत नेपाल के लोगों तथा नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के अपने संकल्प पर कायम रहेगा।नेपाल की राजनीति के अन्य प्रमुख नेताओं के चुनावी प्रदर्शन पर भी सबकी नजर रही। पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने परकुम पूर्व-1 सीट से नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और 6,778 वोटों से जीत हासिल की। वहीं माधव कुमार नेपाल, जो नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के नेता हैं, रौतहट-1 सीट से चुनाव लड़े लेकिन उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा और वह तीसरे स्थान तक भी नहीं पहुंच सके।पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराय ने शुरुआत में गोरखा-2 सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और झालानाथ खनाल इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतरे। देउबा को पार्टी से टिकट नहीं मिला, जबकि खनाल ने खुद चुनाव न लड़ने का फैसला किया।बालेन शाह इससे पहले वर्ष 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल कर चर्चा में आए थे। उनका चुनावी नारा "Time for Change" यानी "बदलाव का समय" था। इस अभियान के जरिए उन्होंने भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और पुरानी राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई।मेयर बनने के बाद उन्होंने शहर में अवैध निर्माण हटाने, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने जैसे कई कदम उठाए।

जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह जिस हेलीकॉप्टर से यात्रा कर रहे थे, उसमें उड़ान के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आ गई। जैसे ही पायलट को इस समस्या का पता चला, उसने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तुरंत एहतियाती कदम उठाए और सुरक्षित लैंडिंग की तैयारी शुरू कर दी।तकनीकी समस्या सामने आने के बाद हेलीकॉप्टर को एहतियात के तौर पर श्रीनगर के जीवीके हेलीपैड पर उतारा गया। अधिकारियों के अनुसार पायलट ने बेहद सूझबूझ और सतर्कता के साथ निर्णय लेते हुए हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई, जिससे किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सका। समय रहते उठाए गए इस कदम के कारण बड़ी दुर्घटना की आशंका भी टल गई।मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उड़ान के दौरान

हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी दिक्कत सामने आई थी। स्थिति को देखते हुए तुरंत निर्णय लेते हुए हेलीकॉप्टर को श्रीनगर के जीवीके हेलीपैड पर सुरक्षित उतार दिया गया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग के बाद राज्यपाल गुरमीत सिंह को श्रीनगर स्थित पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया, जहां उनकी सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा गया। अधिकारियों के मुताबिक इस घटना में किसी भी तरह की जनहानि या चोट की कोई सूचना नहीं है और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।बताया जा रहा है कि एहतियात के तौर पर हेलीकॉप्टर की तकनीकी जांच भी शुरू कर दी गई है। विशेषज्ञों की टीम खराबी के कारणों का पता लगाने में जुटी है। प्रशासन ने कहा है कि पूरी जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संपादक की कलम से

सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग तेजी से जानकारी प्राप्त करते हैं और अपने विचार साझा करते हैं। खासकर युवाओं के लिए सोशल मीडिया अभिव्यक्ति और संवाद का एक बड़ा माध्यम बन गया है। लेकिन इसके बढ़ते प्रभाव के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं।सोशल मीडिया का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सूचना को बहुत तेजी से लोगों तक पहुंचाता है। किसी भी घटना, सामाजिक मुद्दे या सरकारी योजना की जानकारी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। इससे समाज में जागरूकता बढ़ती है और लोग कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय भी खुलकर व्यक्त कर पाते हैं। हालांकि, इसके नकारात्मक पहलू भी कम नहीं हैं। कई बार सोशल मीडिया पर गलत या भ्रामक जानकारी तेजी से फैल जाती है, जिससे समाज में भ्रम और तनाव पैदा हो सकता है। अफवाहें और फर्जी खबरें कई बार सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करती हैं। इसलिए जरूरी है कि लोग किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करेंयुवाओं के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करें। समय का संतुलन बनाए रखना, सकारात्मक सामग्री साझा करना और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना आवश्यक है। सोशल मीडिया का सही उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। अंततः कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यदि इसका उपयोग समझदारी और जिम्मेदारी के साथ किया जाए, तो यह समाज के विकास और जागरूकता के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि हम इसके लाभों का उपयोग करें और इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए सतर्क रहें।

PM नरेन्द्र मोदी का AAP पर तीखा हमला

बोले– 'बहानेबाजी मॉडल' से बाहर निकल रही है दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में 33,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राजधानी में विकास की गति तेज हुई है। उन्होंने आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार पर विकास कार्य रोकने का आरोप लगाया और मेट्रो व परिवहन सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में एक साल पहले भाजपा सरकार बनने के बाद विकास कार्यों की गति तेज हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल में बहानेबाजी के कारण कई परियोजनाएं फाइलों में ही अटकी रहीं और आगे नहीं बढ़ सकीं। प्रधानमंत्री ने लगभग 33,500 करोड़ रुपये की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें दो नए मेट्रो कॉरिडोर भी शामिल हैं। बुराड़ी मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली केवल देश की राजधानी ही नहीं है, बल्कि यह भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का भी प्रतीक है।मोदी ने कहा कि एक समय ऐसा था जब दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को लेकर अक्सर आलोचना होती थी। शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जाने में लोगों को घंटों लग जाते थे और महिलाओं को बस या ऑटो पकड़ने के लिए लंबे समय तक बस स्टॉप पर इंतजार करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब स्थिति तेजी से बदल रही है और शहर में परिवहन सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल ही में दिल्ली को नमो भारत ट्रेन के माध्यम से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जोड़ा गया है, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच यात्रा काफी आसान हो गई है। इसके अलावा दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण की शुरुआत के साथ मेट्रो नेटवर्क का विस्तार अब 375 किलोमीटर से अधिक हो गया है, जिससे शहर में कनेक्टिविटी और बेहतर हुई है।उन्होंने कहा कि जब भी दुनिया में भारत की बात होती है, तो अक्सर लोगों के मन में दिल्ली की छवि उभरती है। इसलिए दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं, बल्कि पूरे देश की छवि से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने एक साल पहले नई उम्मीद और दृढ़ संकल्प के साथ भाजपा की सरकार बनाई थी और आज उसके परिणाम विकास कार्यों के रूप में दिखाई दे रहे हैं।मोदी ने पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में विकास कार्यों की गति धीमी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय कम काम किया गया और बहाने अधिक बनाए गए। उन्होंने कहा कि पहले परियोजनाएं फाइलों में ही दम तोड़ देती थीं, जबकि अब योजनाएं तेजी से जमीन पर उतर रही हैं। प्रधानमंत्री ने सामान्य पूल आवासीय आवास (जीपीआरए) पुनर्विकास योजना के तहत करीब 15,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ सरोजिनी नगर स्थित जीपीआरए टाइप-5 क्वार्टर का दौरा किया और महिला लाभार्थियों को घरों की चाबियां सौंपीं। उन्होंने वहां काम कर रही महिला श्रमिकों से भी बातचीत की।मोदी ने पिंक लाइन के 12.3 किलोमीटर लंबे मजलिस पार्क–मौजपुर–बाबरपुर कॉरिडोर और मैजेंटा लाइन के 9.9 किलोमीटर लंबे दीपाली चौक–मजलिस पार्क कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से बुराड़ी, जगतपुर-वजीराबाद, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार, मधुबन चौक, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा और मजलिस पार्क जैसे कई क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने मेट्रो विस्तार योजना के चरण 5-ए के तहत लगभग 16.1 किलोमीटर लंबे तीन नए मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला भी रखी। इनमें रामकृष्ण आश्रम मार्ग–इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर, एयरोसिटी–इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा टर्मिनल-1 कॉरिडोर और तुगलकाबाद–कालिंदी कुंज कॉरिडोर शामिल हैं। इनसे मध्य दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, नोएडा और हवाई अड्डे के बीच संपर्क और बेहतर होगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार के तहत दिल्ली में परिवहन व्यवस्था को व्यवस्थित तरीके से आधुनिक बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई चार हजार से अधिक इलेक्ट्रिक बसें पहले से ही चल रही हैं। इसके अलावा पिछले एक वर्ष में 1,800 नई बसें भी जोड़ी गई हैं, जिनमें कॉलोनियों और मोहल्लों को बेहतर तरीके से जोड़ने के लिए तैयार की गई 'देवी बसें' भी शामिल हैं।

पंजाब में महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की सहायता

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए महिलाओं के लिए नई आर्थिक सहायता योजना की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने वर्ष 2026-27 के बजट में 'मुख्यमंत्री महिला-ध्यान सत्कार योजना' शुरू करने का एलान किया।इस योजना के तहत राज्य की 18 वर्ष से अधिक आयु की लगभग सभी महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सरकार का दावा है कि इस योजना से राज्य की करीब 97 प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिलेगा। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना बताया गया है।योजना की एक खास बात यह है कि जो महिलाएं पहले से बुढ़ापा, विधवा या विकलांगता पेंशन प्राप्त कर रही हैं, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा। वहीं अनुसूचित जाति की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की सहायता दी जाएगी। हालांकि, कुछ श्रेणियों को इस योजना से बाहर रखा गया है। इनमें वर्तमान या पूर्व सरकारी कर्मचारी, आयकर देने वाले परिवार और वर्तमान या पूर्व सांसद या विधायक शामिल हैं।वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इसे दुनिया की पहली 'यूनिवर्सल कैश ट्रांसफर' योजना बताते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि वे अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरतों पर खर्च कर सकें।सरकारी आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की संख्या एक करोड़ से अधिक है। इस योजना को लागू करने के लिए राज्य सरकार को हर वर्ष लगभग 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे।इस बीच विपक्ष ने योजना के समय को लेकर सवाल उठाए हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कहना है कि सरकार पिछले चार वर्षों से इस वादे को टाल रही थी, इसलिए अब महिलाओं को पिछले 48 महीनों का बकाया, यानी 48,000 रुपये भी दिए जाने चाहिए। इसी मांग को लेकर कांग्रेस की महिला विंग ने विधानसभा के बाहर प्रदर्शन भी किया।

विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने अन्य राज्यों की ऐसी योजनाओं की आलोचना करते हुए कहा कि कई जगह आय सीमा के कारण केवल सीमित महिलाओं को ही लाभ मिल पाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार सभी महिलाओं के लिए यह योजना लागू कर रही है।

निशांत कुमार ने जेडीयू की सदस्यता ली

बिहार की राजनीति में नई हलचल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को औपचारिक रूप से जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की सदस्यता ग्रहण कर ली। लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन और राजनीति से दूर रहने के बाद उनकी यह राजनीतिक शुरुआत बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखी जा रही है।जानकारी के अनुसार पटना स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें जेडीयू की सदस्यता दिलाई गई। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी सहित पार्टी के कई प्रमुख नेता भी शामिल हुए। पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने निशांत कुमार का जोरदार स्वागत किया और उनके समर्थन में नारे लगाए।बताया जाता है कि निशांत कुमार ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और उनकी उम्र लगभग चालीस वर्ष के आसपास है। अब तक वे राजनीति और सार्वजनिक गतिविधियों से काफी दूरी बनाए हुए थे। ऐसे में उनका सक्रिय राजनीति में प्रवेश कई राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।उनका पार्टी में शामिल होना ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। इस वजह से राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आने वाले समय में पार्टी के भीतर नई पीढ़ी को अधिक जिम्मेदारी दी जा सकती है। पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने युवा सोच और मजबूत संकल्प जैसे नारे लगाकर उनका स्वागत किया। कई कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि निशांत कुमार के राजनीति में आने से युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो विश्वास और जिम्मेदारी दी गई है, उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।

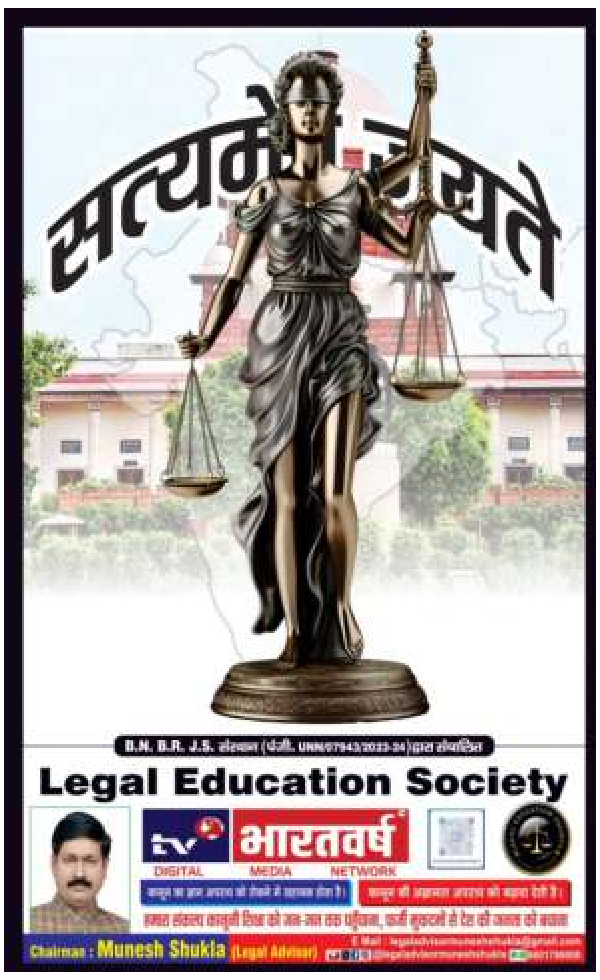

एसएससी सीजीएल 2025: 15,130 पदों पर भर्ती का अंतिम चार्ट जारी

केंद्र सरकार के कई विभागों में मिलेगी नौकरी

केंद्र सरकार की नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (S S C) ने S S C Combined Graduate Level Examination 2025 यानी एसएससी सीजीएल 2025 के लिए अंतिम भर्ती चार्ट जारी कर दिया है। आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस वर्ष कुल 15,130 पदों पर भर्ती की जाएगी। यह भर्ती केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और सरकारी संगठनों में की जाएगी, जिससे हजारों युवाओं को सरकारी सेवा में आने का अवसर मिलेगा।एसएससी सीजीएल परीक्षा हर साल आयोजित की जाती है और इसे देश की सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय सरकारी भर्ती परीक्षाओं में से एक माना जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से स्नातक पास अभ्यर्थियों को केंद्र सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों में नौकरी पाने का मौका मिलता है। इस बार भी बड़ी संख्या में उम्मीदवारों के आवेदन करने की संभावना जताई जा रही है।आयोग ने भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी अहम जानकारी भी साझा की है।

उम्मीदवारों को अपनी पसंद के पदों का चयन करने के लिए ऑप्शन-कम-प्रेफरेंस विंडो मार्च महीने में खोली जाएगी। इस विंडो के माध्यम से अभ्यर्थी अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार पदों की वरीयता तय कर सकेंगे। इसके अलावा उम्मीदवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक सैंपल ऑप्शन फॉर्म भी जारी किया है। इससे अभ्यर्थी पहले से समझ सकेंगे कि प्रेफरेंस फॉर्म किस प्रकार भरना है और किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।एसएससी के अनुसार चयन प्रक्रिया सीजीएल परीक्षा के विभिन्न चरणों के माध्यम से पूरी की जाएगी। परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को केंद्र सरकार के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में नियुक्ति मिल सकती है। इनमें आयकर विभाग, केंद्रीय सचिवालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), कस्टम विभाग और भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग जैसे प्रमुख विभाग शामिल हैं।सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से मिलने वाली नौकरियां न केवल प्रतिष्ठित होती हैं, बल्कि इनमें करियर की अच्छी संभावनाएं और स्थिर भविष्य भी मिलता है। ऐसे में अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी पूरी रणनीति और मेहनत के साथ करने की सलाह दी जा रही है।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी में रिकी मार्टिन की प्रस्तुति, अहमदाबाद में बिखरा जलवा

आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले से पहले आयोजित क्लोजिंग सेरेमनी में दर्शकों को मनोरंजन का शानदार डोज मिला। विश्व प्रसिद्ध पॉप स्टार रिकी मार्टिन ने अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति से पूरे स्टेडियम को झूमने पर मजबूर कर दिया। यह भव्य कार्यक्रम अहमदाबाद के विश्व प्रसिद्ध नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहां हजारों दर्शक इस खास पल के गवाह बने।क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान रिकी मार्टिन ने अपने लोकप्रिय गानों पर शानदार परफॉर्मेंस दी। जैसे ही उन्होंने मंच संभाला, स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार तालियों और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। रंग-बिरंगी लाइट्स, भव्य स्टेज और शानदार साउंड सिस्टम के बीच उनकी प्रस्तुति ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया।क्रिकेट और संगीत के इस अनोखे संगम ने फाइनल मुकाबले से पहले दर्शकों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया। कार्यक्रम के दौरान आतिशबाजी और विशेष विजुअल इफेक्ट्स ने माहौल को और भी भव्य बना दिया। स्टेडियम में मौजूद हजारों क्रिकेट प्रशंसकों ने इस यादगार प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया।आयोजकों का कहना है कि टी20 वर्ल्ड कप फाइनल को और खास बनाने के लिए इस तरह की भव्य क्लोजिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया था। रिकी मार्टिन की प्रस्तुति ने इस आयोजन में चार चांद लगा दिए और दर्शकों को एक अविस्मरणीय अनुभव दिया। इसके बाद क्रिकेट प्रेमियों की नजरें बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबले पर टिक गईं, जहां दो मजबूत टीमें खिताब के लिए आमने-सामने आईं।

भारतीय टीम एक बार फिर से टी20 की विश्व चैंपियन बन गई है।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप

लक्ष्य सेन ने शानदार जीत के साथ फाइनल में बनाई जगह

मौजूद जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने यह मुकाबला 21-16, 18-21, 21-15 से अपने नाम किया है। यह मैच लगभग एक घंटा 37 मिनट तक चला और इसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और थकाऊ रैलियां देखने को मिली हैं। बता दें कि लक्ष्य सेन इससे पहले वर्ष 2022 में भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच चुके हैं। गौरतलब है कि इस उपलब्धि के साथ लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंचने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण के नाम दर्ज है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रकाश पादुकोण 1980 और 1981 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे और 1980 में उन्होंने खिताब भी जीता था। शनिवार को खेला गया सेमीफाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच कई बार बेहद

लंबी रैलियां हुईं, जिनमें कुछ रैलियां 50 से ज्यादा शॉट तक चली हैं। ऐसे में मुकाबला केवल कौशल ही नहीं बल्कि धैर्य और फिटनेस की भी कड़ी परीक्षा बन गया है। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही है। स्कोर एक समय 17-16 पर पहुंच गया था और लक्ष्य सेन केवल एक अंक से आगे चल रहे थे। इसके बाद लक्ष्य ने शानदार लय पकड़ी और लगातार चार अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया है।

मिचेल थ्रो लगने के बाद हुए काफी गुस्सा

सूर्या को आना पड़ा बीच-बचाव के लिए

अर्शदीप सिंह को पारी का 11वां ओवर फेंकने की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसमें पहली गेंद पर मिचेल सैंटनर ने एक रन लिया तो वहीं अगली 2 गेंदों में डेरिल मिचेल ने दो छक्के लगा दिए। चौथी गेंद वाइड रही जिसके बाद अर्शदीप की फिर से चौथी गेंद पर मिचेल ने एक्सट्रा कवर की तरफ खेला लेकिन कोई रन नहीं बना सके। पांचवीं गेंद पर मिचेल ने ऑफ स्टंप के बाहर जाकर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद सीधे अर्शदीप सिंह के पास गई और उन्होंने सीधे मिचेल की तरफ थ्रो कर दिया। गेंद लगने के साथ ही मिचेल काफी बुरी तरह से नाराज होने के साथ अर्शदीप सिंह की तरफ बढ़ने लगे। वहीं अर्शदीप सिंह इस थ्रो को करने के बाद वापस अपने रनअप की तरफ जाने लगे। मिचेल को इस तरह से गुस्से में देखकर टीम

इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव को उन्हें शांत कराने के लिए आना पड़ा। वहीं फील्ड अंपायर ने जाकर अर्शदीप सिंह से बात की। डेरिल मिचेल और अर्शदीप सिंह के बीच में हुए इस बवाल के बाद जब 11वां ओवर खत्म हुआ जिसकी आखिरी गेंद पर मिचेल ने एक रन लिया तो उसके बाद अर्शदीप सिंह और डेरिल मिचेल दोनों ने हाथ मिलाने के साथ इस बवाल को वहीं फील्ड पर खत्म कर दिया।

मेलबर्न में जॉर्ज रसेल की शानदार जीत

रोमांचक मुकाबले में फेरारी को पीछे छोड़ा

मेलबर्न में खेले गए नए सत्र की पहली कार रेस में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला है। इस बार जॉर्ज रसेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और अपनी टीम को नए सत्र की पहली जीत दिलाई है। मौजूद जानकारी के अनुसार इस मुकाबले में उनकी टीम ने रणनीति और गति दोनों के दम पर फेरारी को पीछे छोड़ दिया है। बता दें कि रेस की शुरुआत काफी तेज रही है। फेरारी के चालक चार्ल्स लेक्लेर्क ने चौथे स्थान से शुरुआत करते हुए पहले ही लैप में बढ़त हासिल कर ली है। वहीं उनके साथ लुईस हैमिल्टन भी सातवें स्थान से तीसरे स्थान तक पहुंच गए थे। शुरुआत के कुछ ही लैप में रसेल और लेक्लेर्क के बीच बढ़त को लेकर कड़ी टक्कर देखने को मिली है। मौजूद जानकारी के अनुसार शुरुआती दस लैप में ही दोनों चालकों के बीच कई बार बढ़त बदली है। यह इस सत्र में ऊर्जा प्रबंधन की नई रणनीति के साथ पहली बड़ी परीक्षा मानी जा रही थी। नौवें लैप में रसेल ने लेक्लेर्क से बढ़त छीनने की कोशिश की, लेकिन मोड़ पर उनकी कार फिसल गई और उन्हें नियंत्रण संभालना पड़ा है। इसके बाद लेक्लेर्क फिर से आगे निकल गए थे। गौरतलब है कि इसी दौरान एक और महत्वपूर्ण घटना घटी है। रेड बुल टीम के चालक इसाक हदजार की कार अचानक खराब हो गई और ट्रैक के किनारे रुक गई है। इस कारण आभासी

सुरक्षा कार लागू करनी पड़ी है, जिसने रेस की रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए रसेल और उनके साथी चालक एंड्रिया किमी एंटोनेली ने तुरंत पिट स्टॉप लिया है। दूसरी ओर फेरारी ने अपने दोनों चालकों को ट्रैक पर ही बनाए रखा है।

क्या भारत में वर्क-कल्चर और ट्रैफिक बन रहे हैं विलेन?

'सुकून' रोकता है विदेशों में कदम

सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के मुताबिक, करोड़ों की बचत के बाद भी एनआरआई भारत नहीं लौटते. इसका मुख्य कारण पैसा नहीं, बल्कि विदेशों में मिलने वाला वर्क-लाइफ बैलेंस, ओवरटाइम का पैसा, कम भ्रष्टाचार और प्रदूषण मुक्त व्यवस्थित जीवन है.

पोस्ट के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है. (Photo: Pixabay)

हर साल भारत से बड़ी संख्या में लोग बेहतर शिक्षा, अच्छी नौकरी और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में विदेश जाते हैं. खासकर कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भारतीय छात्रों और प्रोफेशनल्स के बीच काफी लोकप्रिय हैं. इन देशों में लोगों को अच्छी सैलरी, बेहतर काम का माहौल और सुविधाजनक जीवन मिलता है, इसलिए कई भारतीय वहां बसने का फैसला भी कर लेते हैं. हालांकि, अक्सर यह सवाल उठता है कि जब लोग विदेश में कई साल काम करके करोड़ों रुपये की बचत कर लेते हैं, तब भी वे भारत वापस क्यों नहीं लौटते. हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट वायरल हुई, जिसमें इसी मुद्दे पर चर्चा की गई.

इस पोस्ट में बताया गया कि कई भारतीय विदेश में अच्छी बचत करने के बाद भी वापस नहीं आते. इसके पीछे कारण सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि वहां की कार्य संस्कृति, बेहतर सुविधाएं है. पोस्ट के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इस विषय पर बड़ी बहस शुरू हो गई. जहां कई लोगों ने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि विदेश में लाइफ ज्यादा आसान और सेटल होता है.

स्टार्टअप या 'मजदूरी' का अड्डा बनी नौकरी?

पुणे के एक स्टार्टअप में नौकरी के लिए इंटरव्यू देने गए एक कैंडिडेट ने अपना बुरा अनुभव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Reddit पर शेयर किया. उसकी पोस्ट इंटरनेट तेजी से वायरल हो गई. कैंडिडेट ने बताया कि उसे सुबह 9:30 बजे इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था, लेकिन जब वह ऑफिस पहुंचा तो ऑफिस ही बंद था. बाद में उसे अंदर जाने दिया गया, लेकिन फाउंडर के आने के लिए उसे करीब 4 घंटे तक इंतजार करना पड़ा.

उज्बेकिस्तान के बच्चों ने 'दिल लगा लिया' पर दी दिलकश परफॉर्मेंस

सरहदों के पार 'बॉलीवुड' का जादू

उज्बेकिस्तान में आयोजित एक टैलेंट शो में बच्चों ने 'मैं शायर तो नहीं' जैसे बॉलीवुड क्लासिक्स पर शानदार डांस किया. रंग-बिरंगे कॉस्ट्यूम और गजब के आत्मविश्वास के साथ दी गई इस प्रस्तुति ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है.

उज्बेकिस्तान में आयोजित एक टैलेंट शो के दौरान बच्चों ने मशहूर बॉलीवुड गानों पर डांस किया (Photos: @uxlamaysizmi_official/instagram)

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ रही है. उज्बेकिस्तान में आयोजित एक टैलेंट शो के दौरान बच्चों ने मशहूर बॉलीवुड गानों पर डांस किया और यह पल इंटरनेट पर लोगों को बेहद पसंद आ रहा है. कई यूजर्स इसे भारतीय सिनेमा को दिया गया एक प्यारा और दिल छू लेने वाला ट्रिब्यूट बता रहे हैं. सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहे इन वीडियो क्लिप्स में छोटे-छोटे बच्चे स्टेज पर बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं. बताया जा रहा है कि यह पेशकश किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम या टैलेंट शो का हिस्सा थी, जहां छात्रों ने अलग-अलग ग्रुप बनाकर मंच पर डांस प्रस्तुत किया. वीडियो में दिखाई देता है कि बच्चे रंग-बिरंगे कॉस्ट्यूम पहनकर स्टेज पर आते हैं और फिर बॉलीवुड के क्लासिक गानों पर अपनी प्रस्तुति देते हैं. हर ग्रुप अलग गाने पर डांस करता है और गानों के साथ सिंपल लेकिन एनर्जेटिक स्टेप्स करते हुए नजर आता है. इन परफॉर्मेंस में जिन गानों का इस्तेमाल किया गया उनमें बॉलीवुड के कई लोकप्रिय क्लासिक गाने शामिल हैं.

जंग की कहानी से ज्यादा युवक के 'लुक्स' की चर्चा

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच दुबई से लौटे 20 साल के एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आ गया है. वह कैमरे के सामने खड़े होकर वहां के हालात बता रहा था-कैसे इलाके में तनाव बढ़ा, कैसे धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और किस तरह उन घटनाओं ने उसके मन में डर पैदा कर दिया. लेकिन इंटरनेट की दुनिया का ध्यान उसकी बातों से ज्यादा किसी और चीज पर टिक गया.

जूनियर एनटीआर के कार्यक्रम में बेकाबू हुई भीड़

अस्पताल में अफरा-तफरी

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर हाल ही में बेंगलुरु स्थित केआईएमएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। सुपरस्टार की झलक पाने के लिए उनके हजारों फैंस कार्यक्रम स्थल पर उमड़ पड़े, जिससे सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई और अफरा-तफरी मच गई।8 मार्च को महादेवपुरा में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी भीड़ के चलते अस्पताल का एस्केलेटर क्षतिग्रस्त हो गया। भीड़ में भगदड़ मचने के कारण एक फैन एस्केलेटर से गिर गया। रिसेप्शन एरिया में रखे फर्नीचर और अन्य उपकरण भी भारी भीड़ के चलते टूट गए। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया और सुरक्षा घेरा बनाकर जूनियर एनटीआर को सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया।इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर वायरल हो गया। वीडियो को देखकर कई लोगों ने फैंस की इस दीवानगी की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा, "दुनिया का सबसे बुरा फैनडम," जबकि दूसरे ने कहा, "अस्पताल में यह हंगामा पूरी तरह गलत है।" कई ने इसे स्टारडम के काले पक्ष के रूप में देखा और फैंस की इस पागलपन पर निराशा जताई।सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि उनका स्टारडम कितना व्यापक और जबरदस्त है। हालांकि, इस घटना ने यह भी दिखाया कि अत्यधिक उत्साह कभी-कभी सुरक्षा और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। अस्पताल और आयोजकों को भविष्य में ऐसी भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

वर्ल्ड कप जीत का जश्न: लखनऊ के हजरतगंज चौराहे

फैंस का सैलाब, नाच-गाना और गुलाल से सड़कों पर उत्सव

क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल देखने को मिला। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का प्रसिद्ध हजरतगंज चौराहा भी देर रात तक जश्न में डूबा रहा। जैसे ही भारत की जीत की खबर सामने आई, हजारों क्रिकेट प्रशंसक सड़कों पर उतर आए और जीत का जोरदार उत्सव मनाने लगे।हजरतगंज चौराहे पर युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ जुट गई। लोग ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते हुए दिखाई दिए और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया। कई जगहों पर फैंस ने तिरंगा लहराते हुए "भारत माता की जय" और "टीम इंडिया जिंदाबाद" के नारे लगाए। पूरे इलाके में उत्साह और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।जश्न को और खास बनाने के लिए शहर के कई प्रमुख चौराहों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं, जहां हजारों लोग एक साथ मैच का आनंद लेते नजर आए। मैच खत्म होते ही लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। कई जगहों पर तिलक समारोह भी आयोजित किए गए, जहां क्रिकेट प्रेमियों ने एक-दूसरे के माथे पर तिलक लगाकर जीत की खुशी साझा की।स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी मौके पर तैनात रही, ताकि भीड़ के बीच व्यवस्था बनी रहे और किसी तरह की अव्यवस्था न हो। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से जश्न मनाने की अपील भी की।कुल मिलाकर, वर्ल्ड कप में भारत की जीत ने लखनऊ में एक उत्सव जैसा माहौल बना दिया। देर रात तक हजरतगंज चौराहे पर लोग नाचते-गाते और आतिशबाजी करते नजर आए। इस जीत ने न केवल क्रिकेट प्रेमियों को गर्व का एहसास कराया, बल्कि पूरे शहर को जश्न और उत्साह के रंग में रंग दियाभारत की जीत के बाद शहर के कई इलाकों में भी जश्न का माहौल देखने को मिला। लखनऊ के हजरतगंज चौराहा पर देर रात तक लोगों की भीड़ जुटी रही। युवा तिरंगा लेकर सड़कों पर जुलूस की तरह घूमते नजर आए और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते हुए जीत का जश्न मनाते रहे।कई परिवार और बच्चे भी इस ऐतिहासिक जीत का हिस्सा बनने के लिए घरों से बाहर निकल आए। आसपास की दुकानों और इमारतों पर रोशनी की गई और लोग मोबाइल फोन से इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो बनाते दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर भी जश्न की तस्वीरें तेजी से वायरल होती रहीं।।

महिला दिवस पर लखनऊ मेट्रो बनी 'शक्ति मेट्रो'

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मेट्रो को एक सप्ताह के लिए "शक्ति मेट्रो" के रूप में संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (U P M R C) की ओर से 7 मार्च से "एक्जीबिशन ऑन व्हील्स" की शुरुआत की गई है। इसके तहत मेट्रो ट्रेन के अंदर महिलाओं की ऐतिहासिक उपलब्धियों और उनके योगदान को प्रदर्शित किया जा रहा है। मेट्रो के डिब्बों में लगाए गए विशेष पोस्टरों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों को यात्रियों तक पहुंचाया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 15 मार्च तक यात्रियों को मेट्रो में सफर के दौरान देखने को मिलेगी।इस विशेष पहल का शुभारंभ चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट (CCS) मेट्रो स्टेशन से किया गया। यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने "शक्ति मेट्रो-पिंक मेट्रो" का फीता काटकर इसका उद्घाटन किया और हरी झंडी दिखाकर मेट्रो को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इस विशेष पहल की शुरुआत की है।कार्यक्रम के दौरान प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने UPMRC के अधिकारियों के साथ विशेष रूप से डिजाइन की गई इस मेट्रो ट्रेन में सफर कर 'एक्जीबिशन ऑन व्हील्स' का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में भारत की विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रमुख महिलाओं की प्रेरणादायक यात्राओं और उनकी सफलताओं को दर्शाया गया है। इसके अलावा महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'शो योर टैलेंट' पहल के तहत हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर एक विशेष संगीत कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला था, जिसमें महिला यात्रियों ने मंच पर आकर अपने पसंदीदा गीत प्रस्तुत किए।

लखनऊ के इस्कॉन मंदिर में 100 क्विंटल फूलों की होली

हजारों भक्तों ने किया कीर्तन और नृत्य

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के इस्कॉन मंदिर में आज 100 क्विंटल फूलों की होली खेली जा रही है। हजारों भक्त मंदिर परिसर में हरे रामा, हरे कृष्णा की धुन पर थिरक रहे हैं। यहां प्रभुपाद यूथ आर्मी और इस्कॉन गर्ल्स फोरम की ओर से नाटकों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुकुंदा रॉक बैंड भी अपनी प्रस्तुति देगा। इस्कॉन मंदिर सुशांत गोल्फ सिटी में है। फूलों की होली को "आनंदम मंगल महामिलन" नाम दिया गया है। मंदिर अध्यक्ष अपरिमेय श्याम प्रभु ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 2023 से लगातार किया जा रहा है। यह 2015 से लखनऊ और आसपास के शहरों में भक्ति वृक्ष कक्षाओं और घर-घर प्रचार के माध्यम से जुड़े भक्तों का एक बड़ा समागम है। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए स्वादिष्ट प्रसादम् और बड़े भंडारे की व्यवस्था भी की गई है। आयोजन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मेयर सुषमा खर्कवाल समेत कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचेंगे। भगवान श्रीकृष्ण की पालकी को भक्त नाचते-गाते हुए मंदिर परिसर से मुख्य मंच तक लेकर आए। जैसे ही पालकी मंच तक पहुंची, पूरा परिसर हरिनाम संकीर्तन से गूंज उठा। इसके बाद भक्तों ने जमकर नृत्य किया और भगवान पर पुष्प वर्षा करते हुए फूलों की होली का आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन के पहले प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर प्रशासन की ओर से पुरुषों और महिलाओं के लिए दो-दो अलग कतारें बनाई गईं। प्रसाद में भक्तों को छोला और पनीर की मिक्स सब्जी, चावल, कढ़ी, रोटी, आलू की सूखी सब्जी और मिठाई में गुलाब जामुन वितरित किया जाएगा।

हजारों भक्त भंडारे का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इस्कॉन लखनऊ के अध्यक्ष अपरिमेय श्याम प्रभु ने कहा- "ये पंडित लोग, जो भक्त लोग हैं ना, ये हम लोगों को डराने के लिए स्वर्ग-नर्क करते हैं। अरे, जब मर गए, शरीर श्मशान घाट पर पहुंच गया, दाह संस्कार हो गया, अब कौन नर्क, कौन गया, कहां, सब खत्म हो गया। ज्यादातर लोग इसी भावना में हैं। उन्हें ये ज्ञान ही नहीं है कि वो शरीर नहीं हैं, वो आत्मा हैं। वो सदा से हैं और सदा रहेंगे। उन्हें ये ज्ञान ही नहीं है। लेकिन हम लोग बोलचाल में बोलते हैं। आप सब बताइए, क्या आपके घर में, लखनऊ में, आपके घर में, आपके मोहल्ले में मृत्यु होती है कि नहीं होती है? लखनऊ में मरते हैं लोग? आपके घर में लोग मरे हैं? हम लोग मरेंगे कि ऐसे ही रहेंगे?"

निगोहां में घरेलू विवाद बना खूनी

पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी की हत्या की

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

निगोहां थाना क्षेत्र के शेखन खेड़ा गांव में रविवार देर रात घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक मजदूर ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शेखन खेड़ा गांव में ससुराल में रह रहे मजदूर राजेश रावत ने रविवार रात अपनी पत्नी राजेश्वरी (46) पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर रूप से घायल राजेश्वरी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पति ससुराल में ही पत्नी-बच्चों के साथ रह रहा है। बताया गया है कि घटना के समय बड़ा बेटा गुलशन सहित परिवार के अन्य सदस्य पड़ोस में बलराम के बेटे के शादी कार्यक्रम में गए हुए थे। इसी दौरान घर में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि राजेश ने गुस्से में आकर पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुछ देर बाद जब बड़ा बेटा गुलशन घर लौटा, तो उसने कमरे में चारपाई पर अपनी मां को खून से लथपथ देखा। यह दृश्य देखकर वह घबरा गया और शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

लोहिया अस्पताल में मरीज को जड़े थप्पड़

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के विभूतिखंड स्थित लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में इलाज कराने के आई बहनों के साथ मारपीट की गई। गलत तरीके से इंजेक्शन लगाने का विरोध करने पर स्टाफ उग्र हो गया। इसके बाद सिक्योरिटी बुलाकर बहनों को बुरी तरह पीट दिया। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। तकरोही अमराई गांव निवासी पीड़िता शनिवार शाम करीब 7 बजे अपनी छोटी बहन को इमरजेंसी में दिखाने आई थी। वहां मौजूद नर्स पीड़िता की बहन की नस में इंजेक्शन लगा रही थी। कई बार अलग-अलग जगह इंजेक्शन लगाया, लेकिन लगा नहीं पाई। जिसकी वजह से उसके हाथ से कई जगह खून निकलने लगा।इस पर पीड़िता ने विरोध किया तो बहन के बैक साइड इतना तेज इंजेक्शन लगाया कि वो दर्द से चिल्ला दी। पूरे मामले की शिकायत करने की बात कही तो महिला ने थप्पड़ मार दिया। इसके बाद कंपाउडर और सिक्योरिटी गार्ड मिलकर मारने-पीटने लगे। फिर वहां पर 4-5 पांच अन्य डॉक्टर और 8-10 अज्ञात सिक्योरिटी गार्ड व कर्मचारी आ गए। जिनका वीडियो बनाने का प्रयास किया तो मोबाइल छीनकर तोड़ दिया।

लखनऊ में सुनिधि चौहान का धमाकेदार कॉन्सर्ट

लखनऊ में आयोजित एक शानदार लाइव कॉन्सर्ट के दौरान मशहूर प्लेबैक सिंगर सुनिधि चौहान ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले इस कॉन्सर्ट में सुनिधि ने अपने लोकप्रिय बॉलीवुड गानों से माहौल को पूरी तरह संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में मौजूद फैंस उनकी आवाज और ऊर्जा से बेहद उत्साहित नजर आए।कॉन्सर्ट के बीच में एक भावुक पल भी देखने को मिला, जब सुनिधि चौहान अपने फैंस के प्यार और समर्थन को देखकर भावुक हो गईं। उन्होंने मंच से दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, "मैंने आपको 100 प्रतिशत दिया है, लेकिन आपने मुझे 1000 प्रतिशत प्यार दिया है। इसे शब्दों में बयां करना मेरे लिए आसान नहीं है।" उनके इस बयान के बाद पूरा मैदान तालियों और जयकारों से गूंज उठा।कॉन्सर्ट के दौरान सुनिधि ने अपने कई सुपरहिट बॉलीवुड गीत गाए, जिन पर फैंस झूमते नजर आए। इसके साथ ही उन्होंने कुछ भोजपुरी

गानों की भी प्रस्तुति दी। जब उन्होंने लोकप्रिय भोजपुरी गीत तू लगावेलू जब लिपस्टिक गाया, तो दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। फैंस इस गाने पर झूमते और साथ में गाते हुए नजर आए।लगभग तीन घंटे तक चले इस लाइव कॉन्सर्ट में सुनिधि चौहान ने मंच पर तीन बार अपनी ड्रेस भी बदली, जिससे उनकी प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई। हर नए अंदाज में वे दर्शकों के सामने आईं और अपनी शानदार आवाज से माहौल को और भी जोश से भर दिया।कॉन्सर्ट खत्म होने के बाद भी फैंस के बीच उत्साह बना रहा। कई लोगों ने कहा कि सुनिधि चौहान की परफॉर्मेंस ने सच में "आग लगा दी।" दर्शकों का मानना था कि यह कॉन्सर्ट लंबे समय तक उनके लिए यादगार बना रहेगा।

उन्नाव पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद
11 मार्च से गौ माता के लिए 'धर्मयुद्ध' की घोषणा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शहर के सुंदर पैलेस में रविवार को पहुंचे अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का श्रद्धालुओं और आयोजकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान शंकराचार्य ने हाल ही में सामने आई एक कथित हमले की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कई सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने अपनी चल रही यात्रा और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की।शंकराचार्य ने कहा कि जब वे रायबरेली में थे, उसी दौरान पत्रकारों के माध्यम से उन्हें एक व्यक्ति पर हमले की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति पर हिंसक हमला होना अत्यंत दुखद है। अहिंसा में विश्वास रखने वाला व्यक्ति ऐसी घटनाओं से स्वाभाविक रूप से दुखी होता है। उन्होंने बताया कि घटना के बारे में विस्तृत जानकारी मिलने के बाद कुछ शंकाएं भी उत्पन्न हुईं। उनके अनुसार जानकारी यह मिली कि संबंधित व्यक्ति शौचालय जाने तक पूरी तरह ठीक था, लेकिन बाहर आने के बाद उसने हमला होने की बात कही। ऐसे में सवाल यह उठता है कि यदि हमला बाहर हुआ था, तो वहां मौजूद अन्य लोगों ने उसे क्यों नहीं देखा।शंकराचार्य ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रेलवे केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ही नहीं निभाती, बल्कि यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उसकी जिम्मेदारी होती है। । ऐसे में यदि कोई गंभीर हमला हुआ है तो उसका कोई न कोई प्रमाण सामने आना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि कई बार आपराधिक इतिहास वाले लोग सहानुभूति प्राप्त करने के लिए स्वयं पर हमला करवाने या खुद हमला करने जैसी घटनाएं भी रचते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति को वास्तव में सुरक्षा की आवश्यकता है तो प्रदेश सरकार को उसे पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शंकराचार्य ने योगी आदित्यनाथ को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि माघ मेले के बाद मुख्यमंत्री ने समाज में "कालनेमि" जैसे लोगों के आने की बात कही थी। इसके बाद यह विचार सामने आया कि समाज में असली और नकली साधुओं की पहचान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य से भी प्रमाण मांगा तो यह चर्चा शुरू हुई कि सबसे पहले उनकी ही कसौटी पर जांच होनी चाहिए। उनके अनुसार सन्यास लेने वाले व्यक्ति का आचरण और जीवनशैली विशेष प्रकार की होती है, इसलिए इस विषय में स्पष्टता होना जरूरी है। इस दौरान शंकराचार्य ने गौ संरक्षण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में देशी गायों की संख्या में कमी आई है। उनका दावा है कि वर्ष 2012 के बाद से प्रदेश में लगभग 18 से 19 लाख गायें कम हो गई हैं, जो चिंता का विषय है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक तरफ गौभक्ति की बात की जाती है, जबकि दूसरी ओर बीफ निर्यात बढ़ने की खबरें सामने आती हैं। उनके अनुसार इस विषय पर भी समाज के सामने स्पष्ट स्थिति आनी चाहिए। शंकराचार्य ने बताया कि इन सभी मुद्दों को लेकर उन्होंने 'गौ माता के लिए धर्मयुद्ध' का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 11 मार्च को लखनऊ से इस धर्मयुद्ध का शंखनाद किया जाएगा। उन्होंने बताया कि काशी से यात्रा शुरू कर वे विभिन्न तीर्थ स्थलों से होते हुए लखनऊ पहुंचेंगे। इसी क्रम में वे उन्नाव पहुंचे हैं और आगे नैमिषारण्य होते हुए राजधानी जाएंगे।शंकराचार्य ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज को असली और नकली साधुओं के बीच अंतर से अवगत कराना है, ताकि धर्म के नाम पर किसी भी व्यक्ति को भ्रमित न किया जा सके।

उन्नाव में कुलदीप सिंह सेंगर समर्थकों की 'न्याय पद यात्रा' पुलिस ने रोकी, धारा 144 का हवाला

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जनपद में रविवार को प्रस्तावित 'न्याय पद यात्रा' को पुलिस प्रशासन ने धारा 144 लागू होने का हवाला देते हुए रोक दिया। यह पदयात्रा पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के समर्थकों द्वारा आयोजित की गई थी, जिसे सफीपुर तहसील मुख्यालय से शुरू किया जाना था। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद समर्थकों ने यात्रा स्थगित कर दी और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अन्य उच्च पदाधिकारियों को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन पुलिस को सौंप दिया।जानकारी के अनुसार यह पदयात्रा तिहाड़ जेल में बंद कुलदीप सिंह सेंगर से जुड़े न्यायिक मामले में कथित रूप से बढ़ते 'मीडिया ट्रायल' के विरोध में आयोजित की जा रही थी। समर्थक सफीपुर में विधायक आवास के पास एकत्र हुए थे और वहां से पदयात्रा शुरू करने की तैयारी कर रहे थे।इसी दौरान पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे अधिकारी सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने समर्थकों को आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में धारा 144 लागू है, जिसके तहत बिना प्रशासनिक अनुमति के किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस या पदयात्रा निकालना नियमों के विरुद्ध है।पुलिस द्वारा समझाने के बाद समर्थकों ने शांतिपूर्ण तरीके से पदयात्रा स्थगित कर दी। इसके बाद उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन कोतवाली प्रभारी को सौंपा। कोतवाली प्रभारी ने आश्वासन दिया कि ज्ञापन को संबंधित अधिकारियों तक उचित माध्यम से भेज दिया जाएगा। समर्थकों का कहना था कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार और न्यायपालिका तक पहुंचाना चाहते थे। वहीं पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 144 के तहत किसी भी प्रकार की भीड़ या जुलूस की अनुमति नहीं दी जा सकती।

उन्नाव जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर
50 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उमा शंकर दीक्षित जिला अस्पताल में रविवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 50 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए अपना योगदान दिया। रक्तदाताओं ने इस अवसर पर समाज सेवा का संकल्प लेते हुए भविष्य में भी नियमित रूप से रक्तदान करने की बात कही।यह शिविर 'पचास से अधिक रक्तदाता' संस्था की ओर से आयोजित किया गया था। संस्था के अध्यक्ष चेतन मिश्रा के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग रक्तदान करने के लिए अस्पताल पहुंचे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि शकुन सिंह और श्वेता मिश्रा भानू ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और उनके इस सामाजिक योगदान की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान रक्तदान करने वाले लोगों को मंच से 'प्रेरणा सम्मान' देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही संस्था से जुड़ी महिलाओं को भी समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विशेष रूप से सराहा गया। आयोजकों ने पहले से रक्तदान कर चुके रक्तदाताओं का भी सम्मान कर उनका उत्साह बढ़ाया, ताकि वे भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों में भाग लेते रहें।इस अवसर पर ब्लड बैंक की टीम को भी उनकी सेवा भावना और मरीजों के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और वक्ताओं ने रक्तदान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्तदान को सबसे बड़ा दान माना जाता है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। मुख्य अतिथियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि समाज में रक्त की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रखकर इसे सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना चाहिए। रक्तदान शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और आम नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उन्नाव में विश्व महिला दिवस पर जागरूकता
कार्यक्रम व सम्मान समारोह आयोजित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कल्याण विभाग की ओर से एक जागरूकता कार्यक्रम और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रविवार को निराला प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में पंकज गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजकों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। विधायक पंकज गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं के बिना समाज और देश की प्रगति संभव नहीं है।विधायक ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और हर क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज के विकास में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से समाज अधिक मजबूत और जागरूक बनता है। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। महिला कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर अनुराग अवस्थी भी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और समाज में उनकी बढ़ती भागीदारी देश के विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। समारोह के अंत में सभी प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। महिला कल्याण विभाग के इस आयोजन को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उन्नाव में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र के महीपतखेड़ा गांव में रविवार दोपहर एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें युवक ने अपनी निराशा व्यक्त की है। जिसमें लिखा- लिखा- मैं हर जगह से हार चुका हूं, प्रेमिका पर दबाव न डाला जाए।

पुलिस के अनुसार, ग्राम महीपतखेड़ा निवासी दयाराम के पुत्र अनुराग (18) का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी रविवार दोपहर करीब एक बजे यूपी पुलिस डायल 112 को दी गई, जिसके बाद अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान कमरे से बरामद सुसाइड नोट को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और उसकी जांच की जा रही है। सुसाइड नोट में अनुराग ने मा-बाप से माफी मांगते हुए लिखा, वह जीवन में हर जगह से हार चुका है। अनुराग ने अपने माता-पिता से अपील की कि वे उसका सामान, जैसे कपड़े, जूते, घड़ी और परफ्यूम उसके भाई आदित्य को दे दें और अपनी बहन का ख्याल रखें। उसने स्पष्ट किया कि उसकी मौत के लिए कोई अन्य व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है और यह कदम वह किसी के दबाव में आकर नहीं उठा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए उन्नाव में जागरूकता वाहन रवाना

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए रविवार को जिला न्यायालय परिसर से एक जागरूकता वाहन रवाना किया गया। इस वाहन का उद्देश्य आम जनता को लोक अदालत के महत्व और इसके माध्यम से विवादों के त्वरित निस्तारण के प्रति जागरूक करना है। जागरूकता वाहन को अनिल कुमार वर्मा-। ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायालय कर्मचारी और पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के तहत आयोजित किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रत्नेश दीप कमल आनंद ने बताया कि जागरूकता वाहन शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगा। यह बड़ा चौराहा, रेलवे स्टेशन और बस अड्डा सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व के बारे में जानकारी देगा।उन्होंने बताया कि यह अभियान केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तहसील स्तर तक भी चलाया जाएगा। प्रचार वाहन विभिन्न तहसीलों में जाकर लोगों को अपने मामलों के निस्तारण के लिए लोक अदालत में आने के लिए प्रेरित करेगा।लोक अदालत के माध्यम से बैंक ऋण, बिजली बिल, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद और सिविल वाद जैसे कई मामलों का आपसी सहमति से समाधान किया जाता है। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस व्यवस्था का लाभ उठाएं।

कौशांबी में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के सामने महिला ने लगाई न्याय की गुहार

सुरक्षाकर्मियों ने मंच से हटाया

कौशांबी में सरस महोत्सव के दौरान एक महिला ने केशव प्रसाद मौर्य के सामने अपने पति पवन विश्वकर्मा की हत्या का आरोप लगाकर न्याय की गुहार लगाई। महिला का कहना है कि पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। डिप्टी सीएम ने लिखित आवेदन देने को कहा, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने महिला को वहां से हटा दिया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

एक कार्यक्रम के दौरान उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक महिला अपने बच्चे को गोद में लेकर मंच के पास पहुंच गई और डिप्टी सीएम से न्याय की गुहार लगाने लगी। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति की हत्या कर दी गई है और पुलिस अब तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। यह घटना शनिवार को आयोजित सरस महोत्सव के दौरान हुई। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में केशव प्रसाद मौर्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में भाषण देने के बाद मंच से नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान चरवा थाना क्षेत्र के मलाक नगर में रहने वाली आशा देवी अपने तीन बच्चों आन्या, जानवी और प्रियांशु के साथ मंच के पास पहुंच गई। वह अपने बेटे प्रियांशु को गोद में लिए हुए थी और मंच पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक दिया।मंच के नीचे खड़ी होकर महिला जोर-जोर से न्याय की मांग करने लगी। उसने दोनों हाथ जोड़कर कहा कि उसके पति की हत्या कर दी गई है और उसे न्याय चाहिए। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद पुलिस एक बार भी उसके घर पूछताछ के लिए नहीं आई।महिला की बात सुनने के बाद डिप्टी सीएम ने उसे आवेदन देने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि वह लिखित आवेदन दे देगी तो तुरंत कार्रवाई कराई जाएगी। इस पर महिला ने कहा कि वह कागज लेकर नहीं आई है, लेकिन उसने अपनी शिकायत पहले भी भेजी है। इसके बावजूद वह लगातार न्याय की मांग करती रही।महिला के बार-बार आग्रह करने पर डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले लिखित एप्लिकेशन देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कागज पर लिखकर आवेदन दिया जाएगा तभी आगे कार्रवाई हो सकेगी। महिला ने जवाब दिया कि उसकी शिकायत मोबाइल में भी मौजूद है और उसे देखा जा सकता है। महिला के साथ आई दूसरी महिला ने भी कहा कि पवन की हत्या की गई है, जबकि पुलिस इसे शराब पीने से हुई मौत बता रही है। स्थिति को देखते हुए डिप्टी सीएम ने सुरक्षाकर्मियों को इशारा किया, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने महिला और उसके परिजनों को मंच के पास से हटा दिया। इसके बाद डिप्टी सीएम कार्यक्रम स्थल से आगे बढ़ गए। कुछ देर तक मंच के पास अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार आशा देवी चरवा थाना क्षेत्र के बिरहिबाद गांव की रहने वाली हैं। उनके पति पवन विश्वकर्मा (36) का शव 9 फरवरी को गांव के बाहर ओवरब्रिज के पास मिला था। आशा देवी के अनुसार उनके पति रविवार शाम करीब चार बजे घर से निकले थे। शाम साढ़े सात बजे उनसे फोन पर बातचीत हुई थी और उन्होंने कहा था कि वह दस मिनट में घर पहुंच रहे हैं, लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटे। अगले दिन गांव के बाहर एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो पता चला कि शव पवन विश्वकर्मा का है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।ग्रामीणों ने आशंका जताई कि पवन की हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया गया। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शराब पीने से मौत की बात सामने आई है। चरवा थाना प्रभारी महेश सिंह ने बताया था कि शव पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। घटनास्थल के पास एक शराब का ठेका भी है, जिसे ठेकेदार ने पवन के घर में किराए पर लिया था। वहीं आशा देवी का आरोप है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट गलत है और पुलिस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही। उनका कहना है कि जब भी वह थाने जाती हैं, उन्हें भगा दिया जाता है और अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि उनके तीन छोटे बच्चे हैं और उन्हें न्याय की उम्मीद है। आशा देवी के अनुसार उनके जेठ विजय कुमार पहले भी डिप्टी सीएम को शिकायत भेज चुके हैं। डिप्टी सीएम कार्यलिय से एक पत्र भी मिला था, जिसमें बताया गया था कि शिकायत को कार्रवाई के लिए कौशांबी के एसपी को भेज दिया गया है। इसके बावजूद कार्रवाई न होने पर परिजनों ने 25 फरवरी को फिर से एसपी को आवेदन देकर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी।

UPSC में यूपी की बेटियों का जलवा, शामली की आस्था जैन 9वीं और गाजीपुर की प्रियंका चौधरी 79वीं रैंक पर

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इस बार भी उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। खास तौर पर प्रदेश की दो बेटियों की सफलता चर्चा का विषय बनी हुई है। शामली की 23 वर्षीय आस्था जैन ने परीक्षा में 9वीं रैंक हासिल कर प्रदेश और अपने जिले का नाम रोशन किया है, जबकि गाजीपुर की प्रियंका चौधरी ने 79वां स्थान प्राप्त किया है।शामली की रहने वाली आस्था जैन साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता परचून की छोटी सी दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आस्था ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता से परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोग भी उनकी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। वहीं गाजीपुर की प्रियंका चौधरी की सफलता संघर्ष और हौसले की मिसाल बनकर सामने आई है। प्रियंका के पिता मीरा राम पहले उपजिलाधिकारी (S D M) के ड्राइवर रहे हैं और वर्तमान में अमीन के पद पर कार्यरत हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली प्रियंका ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया।प्रियंका के जीवन में पिछले एक वर्ष बेहद कठिन रहा। इस दौरान उन्होंने अपने इकलौते भाई और मां को खो दिया, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इसके बावजूद प्रियंका ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी पढ़ाई तथा तैयारी को जारी रखा। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ परीक्षा की तैयारी की और आखिरकार यूपीएससी में 79वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन कर दिया।दोनों बेटियों की इस उपलब्धि से उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। साथ ही यह सफलता उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा बनकर सामने आई है, जो सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का हौसला रखते हैं।

चलती ट्रेन में आशुतोष ब्रह्मचारी पर हमला

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर लगाए आरोप

टीवी भारतवर्ष वाराणसी

चलती ट्रेन में एक धार्मिक विवाद से जुड़े मामले में नया मोड़ आ गया है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने दावा किया है कि रविवार सुबह उनके ऊपर चलती ट्रेन में जानलेवा हमला किया गया। उन्होंने इस हमले के पीछे अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद समेत कुछ अन्य लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि इस मामले में अभी तक औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।आशुतोष ब्रह्मचारी के अनुसार वह रीवा एक्सप्रेस से गाजियाबाद से प्रयागराज की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वह ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में सफर कर रहे थे। रविवार सुबह करीब पांच बजे जब ट्रेन सिराथू रेलवे स्टेशन के पास थी, तब वह टॉयलेट जाने के लिए उठे। इसी दौरान कोच के गेट के पास खड़े एक व्यक्ति ने उन पर पीछे से हमला कर दिया।उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावर ने धारदार हथियार से उनकी नाक काटने की कोशिश की और चेहरे तथा हाथ पर कई वार किए। हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं और काफी खून बहा। दूसरी ओर इस मामले पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी घटना दिखावा है और आशुतोष ब्रह्मचारी माहौल बनाने तथा सुरक्षा पाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि उन पर आरोप लगाकर केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की जा रही है और यह उनकी यात्रा से ध्यान भटकाने का प्रयास है।वहीं आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हमलावर कथित तौर पर कह रहा था कि वह उनकी नाक काटकर अपने गुरु के चरणों में चढ़ाएगा।

आशुतोष सिन्हा बोले– लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश

टीवी भारतवर्ष यू पी

होली मिलन समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए समाजवादी पार्टी के स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने राष्ट्रपति को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर कहा कि किसी भी टिप्पणी से पहले बीजेपी शासित राज्यों की हालत को भी देखना चाहिए और सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी की बात सुनकर टिप्पणी करना सही नहीं है. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हमारे लिए गरिमा का विषय हैं, लेकिन एक समय ऐसा था जब मतदाता अपनी सरकार चुना करते थे, जबकि अब जब से बीजेपी की सरकार बनी है तब से ऐसी स्थिति बनती जा रही है कि सरकार ही यह तय करने लगी है कि मतदाता कौन होगा. होली मिलन समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए समाजवादी पार्टी के स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने राष्ट्रपति को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर कहा कि किसी भी टिप्पणी से पहले बीजेपी शासित राज्यों की हालत को भी देखना चाहिए और सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी की बात सुनकर टिप्पणी करना सही नहीं है. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हमारे लिए गरिमा का विषय हैं, लेकिन एक समय ऐसा था जब मतदाता अपनी सरकार चुना करते थे, जबकि अब जब से बीजेपी की सरकार बनी है तब से ऐसी स्थिति बनती जा रही है कि सरकार ही यह तय करने लगी है कि मतदाता कौन होगा. आशुतोष का आरोप है कि देश के लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश चल रही है और इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी ममता बनर्जी के साथ खड़ी है. पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को हटाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदय स्वयं कुछ नहीं करतीं, बल्कि जो भी आदेश प्रधानमंत्री कार्यालय से आता है उसी के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं.